

साक्षात्कार

समाज और मानव सेवा में मिला जीवन का उद्देश्य- समाज सेवी दयाबाई (छिंदवाड़ा जिले में आदिवासियों के बीच काम कर रही हैं केरल की मर्सी उर्फ दयाबाई से बातचीत)

साक्षात्कारित- मर्सी उर्फ दयाबाई (छिंदवाड़ा की मदर टेरेसा की ख्याति से जानी जाने वाली)

साक्षात्कारकर्ता- डॉ. सर्जना चतुर्वेदी (पत्रकारिता के क्षेत्र में 18 वर्ष से अधिक का अनुभव, पीएचडी, एमफिल, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)

"खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है, खुद को दूसरों की सेवा में खो देना।"

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यह कथन जीवन के सार्थक मकसद के चुनाव के लिए प्रेरित करता है क्योंकि जीवन की वास्तविक खुशी सिर्फ देने में है लेकिन यह कहना आसान होता है लेकिन कुछ लोग अपना पूरा जीवन निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों के लिए समर्पित कर देते हैं ऐसे ही व्यक्तित्व की धनी हैं दयाबाई उर्फ मर्सी जोसफ जिन्होंने अपना पूरा जीवन जनजातीय समुदाय की सेवा में बिता दिया है और आज भी वह ठहरी नहीं हैं उनकी यात्रा आज भी जारी है। भोपाल में एक शासकीय कार्यक्रम में शामिल होने आयी केरल की मर्सी उर्फ दयाबाई जिन्हें केरल में मदर टेरेसा के रूप में याद किया जाता है। उनसे डॉ. सर्जना चतुर्वेदी की बातचीत

बेहतर अवसर और उच्च शिक्षा के बावजूद ऊंचा कैरियर नहीं आदिवासी समाज की सेवा का किया चुनाव-

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की मदर टेरेसा कहलाने वाली दयाबाई को पहली बार में देखकर आपको लग सकता है कि यह किसी स्वसहायता समूह के संग जुड़कर काम करने वाली शायद कोई आदिवासी महिला होंगी या कोई सामान्य ग्रामीण महिला जो अपने परिवार के आर्थिक सहयोग के लिए समूह से जुड़ी होंगी या मेहनत मजदूरी करती होंगी, आप इन्हें देखकर साक्षर भी समझें इसकी संभावना भी कम ही है। लेकिन जब वह अंग्रेजी या हिंदी भाषा में अपने बारे में बताती हैं या फिर उनसे जुड़ी खबरें पढ़कर पता चलता है कि वह मुंबई से एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई 80 के दशक में कर चुकी हैं, होम्योपैथी, नर्सिंग, वकालत भी कर चुकी हैं। बांग्लादेश के जन्म के समय पाकिस्तान से हुए 1971 के युद्ध में शरणार्थियों की सेवा में जुटी रही हैं या तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति के भाई ने उन्हें अमेरिका आकर अपनी स्टडी कंप्लीट करने के लिए बुलाया था और उस ऑफर को उन्होंने ठुकरा दिया था। ऐसी ही कई बातें हैं जो उनके व्यक्तित्व के बारे में जानकर उनके बारे में जानने की जिज्ञासा कुछ बढ़ जाती है। तो

चलिए जानते हैं उनके व्यक्तित्व से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें...

केरल के स्वाधीनता सेनानी की बेटी को विरासत में मिला मानव सेवा का जज्बा –

22 फरवरी 1941 को मर्सी उर्फ दयाबाई का जन्म केरल के कोट्टायम जिले के पाला शहर में 22 फरवरी, 1941 को हुआ। उनके पिता मैथ्यू पुल्लादू बड़े जमींदार तो थे ही लेकिन वह एक स्वाधीनता सेनानी भी थे जो केरल में महात्मा गांधी के साथ भी काम कर चुके थे। एक गांधीवादी स्वाधीनता सेनानी की बेटी को विरासत में मानव सेवा का जो जज्बा मिला वह आज 84 बरस की उम्र में भी जारी है। दयाबाई की समाज सेवा का सफर मुंबई में समाज सेवा की डिग्री लेने के साथ आगे बढ़ा। बांग्लादेश और हरियाणा में कुछ साल बिताने के बाद दयावती सन् 1980 में गोंड जनजाति के रहन-सहन, रीति-रिवाज का अध्ययन करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के आदिवासी बाहुल्य हरई ब्लॉक के तिसा पहुंच गईं, जहां शुरूआती दौर में उन्हें मजदूरी कर गुजारा करना पड़ा और खुले आसमान के नीचे भी दिन गुजारने पड़े लेकिन यह हालात भी उनके हौसले को नहीं तोड़ सके। बारूल में ही उन्होंने अपना अध्ययन एवं शोध केंद्र बनाया और आदिवासियों के रहन-सहन, उनके अंधविश्वास, परंपराओं, दैनिक कार्य शैलियों पर आधारित अनेक नुक्कड़ नाटक तैयार किए। इन नाटकों के जरिए वे समाज की कुरीतियों पर कुठाराघात करती और इस तरह वे अपनी बात लोगों के बीच पहुंचाती रही।

8 एकड़ जमीन की जरूरतमंदों के लिए दान –

जब उन्हें महसूस हुआ, कि कानून की जानकारी सभी के लिए आवश्यक है तो उन्होंने सागर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई कर डाली। आज 84 साल की उम्र में भी दयाबाई उसी तत्परता से काम करती हैं। उनमें युवाओं जैसा जोश है। वे कई-कई किलोमीटर पैदल चलती हैं। नुक्कड़ नाटकों में उन्हें जोश के साथ गीत गाते हुए देखना दर्शकों को रोमांचित करता है। अपनी जायज बातों को मनवाने के लिए जब कोई तरीका काम नहीं आता है तो वह आमरण अनशन पर बैठ जाती हैं। वे देश-विदेश की अनेक जनसभाओं में हिस्सा ले चुकी हैं। दयाबाई कहती हैं कि वह 14 भाई बहन थे लेकिन वर्षों से उनका परिवार से मिलना कम होता है, पिता का निधन होने के बाद पिता ने कुछ पैसा उनके नाम किया था जिससे गांव में करीब 12 एकड़ जमीन खरीदी थी जिसमें 8 एकड़ जमीन वह सार्वजनिक उपयोग के लिए दान कर चुकी हैं और शेष 4 एकड़ जमीन में जैविक खेती करती हैं जिससे उनका गुजर बसर होता है।

मदर टेरेसा के रूप में जानती है स्थानीय जनता –

छिंदवाड़ा जिले में गोंड आदिवासी समाज के लिये दया का सागर है दयाबाई। लोग उन्हें मदर टेरेसा के रूप में जानते हैं। दयाबाई की कहानी इसलिए विशेष है, क्योंकि वे केरल के उच्चवर्गीय जमींदार परिवार की बेटी हैं। इसके बावजूद किसी संगठन एवं समाज के समर्थन के बिना सेवा की दुनिया में उन्होंने मिसाल कायम की है। 16 साल की उम्र से ही समाजसेवा का जिम्मा संभालने वाली दयाबाई मुख्यालय से करीब 55 किमी दूर हरई ब्लॉक

के हिंसा गांव में रह रही है। इसी ब्लॉक के बरूल गांव में आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने के लिए उन्होंने एक स्कूत खोला और हजारों बच्चों को तालीम मुहैया करवाई। उन्होंने ग्रामीणों के स्वास्थ्य सेवा का भी जिम्मा लिया है। हरई के आसपास के गांव में कोई भी बीमार होता है तो उसे अस्पताल ले जाने, स्वस्थ होने पर घर छोड़ने तक की जिम्मेदारी खुद उठाती है। घर परिवार में कोई देखभाल करने वाला न हो तो सेवा-सुश्रुषा भी दयाबाई ही करती हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के दिए अमेरिका आने के न्यौते को किया इंकार –

एक साक्षात्कार में दया बाई बताती हैं कि जब वह बांग्लादेश के निर्माण के समय बने रेफ्यूजी कैम्प में शरणार्थियों के लिए कार्य कर रही थीं। तब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन कैनेडी के भाई एडवर्ड कैनेडी उस कैम्प में आए वहां उन्हें जब मुझे बेस्ट वॉलेंटियर के तौर पर मिलवाया गया तब उन्होंने बाद में पत्र लिखकर मुझे अमेरिका आकर पढ़ने और आगे काम करने के लिए ऑफर दिया, लेकिन मैं लोगों के बीच काम करना चाहती थी। इसलिए मैंने उस प्रस्ताव को नहीं चुना।

सिनेमा और रंगमंच में दिखाया जा चुका है दयाबाई का जीवन-दर्शन –

दयाबाई खुद मीडिया की चकाचौंध से हमेशा दूर रहीं। लेकिन गोंड जनजाति के प्रति उनकी दया और समर्पण को देखते हुए पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टिंग ट्रस्ट ने सन् 2007 में एक फिल्म का निर्माण किया, इसमें यूएनडीपी ने भी आर्थिक सहयोग दिया। फिल्म की सूत्रधार नंदिता दास और निर्देशक भोपाल की प्रीति त्रिपाठी कपूर है। इस फिल्म को कई पुरस्कार मिले। इनमें सन् 2009 में इंटरनेशनल वुमन फिल्म दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से) में बेस्ट बायोग्राफिकल डॉक्यूमेंटरी एवं सन् 2008 में इफ्टेक की ओर से ट्राइबल स्पेशल अवार्ड प्रमुख है। वर्ष 2016 में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों दयाबाई के जीवन पर केंद्रित एक नाटक "गोई का भारत भवन मंचन किया गया। इसकी पटकथा नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से निकले बालाजी गौरी ने लिखी थी, जबकि निर्देशन कुमारदास टीएन ने किया। इसमें दयाबाई के संघर्ष के साथ यह भी दिखाया गया कि उम्रदराज होकर भी वे किस तरह लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर रही है। दूसरी तरफ केरल की वेड्डम मूवीज प्रोडक्शन हाउस भी दयाबाई पर फिल्म बना रही है। इसके निर्देशक श्रीवरुण और निर्माता जिजू सन्नी कहते हैं कि केरल में दयाबाई का नाम सुना तो इच्छा हुई कि उनके कार्यों को पूरी दुनिया जाने। फिल्म में दयाबाई का किरदार बांग्ला अभिनेत्री विदिता बाग निभा रही है।

पर्यावरण के अनुकूल कर रही हैं जीवन का यापन-

दयाबाई सिर्फ एक समाज सेवक नहीं हैं बल्कि वह पर्यावरण की सजग प्रहरी भी हैं। दयाबाई जिस घर में रहती हैं वह पूरी तरह कच्चा या कहें कि प्रकृति के साधनों के अनुरूप बना है। आधुनिक भाषा में कहा जाए तो यह एक इको फ्रेंडली घर है। वहां मौजूद कुर्सी-टेबल में भी आपको प्लास्टिक नहीं दिखाई देगा। वह जो भी खाती हैं उसे

अपने ही खेत में ऑर्गेनिक तरीके से उगाती हैं। वह जीरो प्लास्टिक के महत्व को जानती हैं इसलिए अपने जीवन में उन्होंने इनसे दूरी बना रखी है। खाने को पैक करने के लिए प्लास्टिक या पॉलीथिन के बजाय वह पत्तों का इस्तेमाल करती हैं। यह नियम सिर्फ घर के लिए नहीं बल्कि बाहर अन्य शहरों की यात्रा के दौरान भी वह खुद पर लागू करती हैं। वह घर या अपने आसपास ऐसी कोई चीज का इस्तेमाल नहीं करतीं जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो। उनका जीवन एक पर्यावरण के बेहतर प्रबंधन की मिसाल है, जो प्रकृति का दोहन ना कर प्रकृति का मित्र बन जीवन जीने की शिक्षा देता है।

अपने साथ दुर्व्यवहार करने वाले कंडक्टर को किया माफ –

दयाबाई 20 दिसंबर 2015 की शाम को त्रिशूर में एक समारोह में भाग लेने के बाद अलुवा की ओर एक बस में यात्रा कर रही थीं। अंधेरा होने के कारण उन्होंने चालक से पूछा कि क्या बस अलुवा बस स्टैंड के पास पहुंच रही है। उन्होंने यही प्रश्न कंडक्टर से भी दोहराया। इस पर कंडक्टर क्रोधित हो गया, गालियां दीं और उन्हें बस स्टैंड से काफी दूर उतरने को कहा। शायलन ने उन्हें एक भिखारी समझ लिया क्योंकि दया बाई आमतौर पर आदिवासी महिलाओं की तरह कपड़े पहनती हैं। जब दया बाई सड़क पर बैठ गईं, तो लोगों ने उनसे पूछा कि वह वहां क्यों उतरतीं। उन्होंने अपनी पीड़ा बताई, जिसे किसी ने सोशल मीडिया पर साझा कर दिया और यह मामला वायरल हो गया। प्रसिद्ध अभिनेता और निर्माता मोहनलाल ने भी इसके बारे में लिखा था। तब केरल के तत्कालीन परिवहन मंत्री राधाकृष्णन थिरुवंचूर और केएसआरटीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक एंटनी चाको ने तत्काल चालक यूसुफ और कंडक्टर दोनों को निलंबित कर दिया और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उस समय दया बाई त्रिशूर में फादर वडक्कन स्मृति पुरस्कार प्राप्त करने आई थीं। इसके बाद वे पावारट्टी स्कूल में स्टूडेंट पुलिस कैडेट्स को प्रशिक्षण देने गईं। प्रशिक्षण के बाद, दो पुलिसकर्मियों ने उन्हें अलुवा जाने के लिए केरल राज्य परिवहन की बस में बैठने की सलाह दी थी। इस मामले में बस के कंडक्टर को आरोपी बनाया गया था और ड्राइवर को आरोपी नहीं बनाया गया लेकिन 10 साल बाद इस मामले में दयाबाई ने दोनों को ही माफ कर दिया और इस तरह कोर्ट ने बस कंडक्टर के खिलाफ इस मामले को समाप्त कर दिया जब दया बाई ने अदालत में शपथपूर्वक कहा कि उन्होंने शायलन को क्षमा कर दिया है। केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (KSRTC) में कंडक्टर के रूप में कार्यरत शायलन अगले महीने फरवरी में सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले हैं। क्षमा करने के बाद, दया बाई ने शायलन को सलाह दी कि वे सभी मनुष्यों के साथ समान व्यवहार करें और कपड़ों या रूप-रंग के आधार पर भेदभाव न करें।

83 की उम्र में 19 दिनों तक की भूख हड़ताल-

केरल में एंडोसल्फान कीटनाशक जिसका उपयोग काजू, चाय के बागान आदि में खेती के लिए किया जाता है। इसके दुष्प्रभाव इतने भयावह हैं कि नए जन्म लेने वाले बच्चे भी उस क्षेत्र में दिव्यांग पैदा हो रहे हैं। इस कीटनाशक की वजह से कई पीढ़ियां दिव्यांग हो गईं। उनके लिए 2022 में केरल सचिवालय के सामने कसारगोड में 19 दिनों तक दयाबाई भूख हड़ताल पर बैठी रही। पुलिस वालों ने उन्हें बाद में जबरदस्ती अस्पताल में भर्ती

करवा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पीड़ित 5 हजार से अधिक लोगों को मुआवजे के रूप में 500 करोड़ रुपए देने के आदेश केरल सरकार को दिए थे। 2007 में महिला पत्रिका "वनिता" द्वारा "वुमन ऑफ द ईयर" पुरस्कार मिला। जनवरी 2012 में उन्हें "गुड समैरिटन नेशनल अवार्ड" से सम्मानित किया गया, जिसे कोट्टायम सोशल सर्विस सोसाइटी और शिकागो की अगापे मूवमेंट द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित किया गया था। "ओट्टायल" या "एक अकेली औरत" – उनके जीवन पर बनी एक घंटे की डॉक्यूमेंट्री है, जिसका निर्देशन शाइनी जैकब बेंजामिन ने किया। फिल्म अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता नंदिता दास ने 2005 में दया बाई को अपनी प्रेरणा बताते हुए उनके सम्मान में एक लेख लिखा था।

संदर्भ - संदर्भ सूची

["https://www.etvbharat.com/hindi/delhi/bharat/mp-83-years-old-daya-bai-fighting-for-endosulfan-pesticide-victims-of-kerala-kasaragod-region/na20230327192140539539768"](https://www.etvbharat.com/hindi/delhi/bharat/mp-83-years-old-daya-bai-fighting-for-endosulfan-pesticide-victims-of-kerala-kasaragod-region/na20230327192140539539768) HYPERLINK

["https://www.etvbharat.com/hindi/delhi/bharat/mp-83-years-old-daya-bai-fighting-for-endosulfan-pesticide-victims-of-kerala-kasaragod-region/na20230327192140539539768"](https://www.etvbharat.com/hindi/delhi/bharat/mp-83-years-old-daya-bai-fighting-for-endosulfan-pesticide-victims-of-kerala-kasaragod-region/na20230327192140539539768)20230327192140539539768

<https://www.amarujala.com/india-news/endosulfan-victims-kerala-government-accepts-demands-of-activist-daya-bai>

<https://www.thehindu.com/news/national/kerala/kerala-government-has-cheated-endosulfan-victims-says-activist-daya-bai/article>HYPERLINK

["https://www.thehindu.com/news/national/kerala/kerala-government-has-cheated-endosulfan-victims-says-activist-daya-bai/article67441771.ece"](https://www.thehindu.com/news/national/kerala/kerala-government-has-cheated-endosulfan-victims-says-activist-daya-bai/article67441771.ece) HYPERLINK d

<https://www.bhaskar.com/women/this-is-me/news/i-left-the-pompous-landlordism-for-the-tribals-live-in-a-hut-influential-people-beat-me-half-dead>HYPERLINK

["https://www.bhaskar.com/women/this-is-me/news/i-left-the-pompous-landlordism-for-the-tribals-live-in-a-hut-influential-people-beat-me-half-dead-131609484.html"](https://www.bhaskar.com/women/this-is-me/news/i-left-the-pompous-landlordism-for-the-tribals-live-in-a-hut-influential-people-beat-me-half-dead-131609484.html) HYPERLINK

<https://mattersindia.com/>HYPERLINK ["https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-conductor/"](https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-conductor/) HYPERLINK

[https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-](https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-conductor/)

[conductor/"](#)HYPERLINK

[https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-](https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-conductor/)

[drops-case-against-bus-conductor/"](#)2025HYPERLINK

[https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-](https://mattersindia.com/2025/01/daya-bai-pardons-court-drops-case-against-bus-conductor/)

[conductor/"](#) HYPERLINK

[https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-](https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944)

[HYPERLINK](#)

[https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-](https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944)

[ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944"](#)

[HYPERLINK](#)

[https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-](https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944)

[percent-daya-bais-demands-168944"](#)HYPERLINK

[https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-](https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944)

[percent-daya-bais-demands-168944"](#)90HYPERLINK

[https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-](https://www.thenewsminute.com/kerala/endosulfan-victims-kerala-govt-ready-accept-90-percent-daya-bais-demands-168944)

[percent-daya-bais-demands-168944"](#) HYPERLINK

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/"](#)

[HYPERLINK](#)

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/"](#)HYPERLINK

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/"](#)81HYPERLINK

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/"](#)

[HYPERLINK](#)

[https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-](https://thesouthfirst.com/kerala/fasting-and-furious-who-is-81-year-old-activist-daya-bai-campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/)

[campaigning-for-endosulfan-victims-of-kasargod/"](#)HYPERLINK d

[https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-](https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-2509819.html)

[kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-](https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-2509819.html)

[2509819.html"](#)HYPERLINK

[https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-](https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-2509819.html)

kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-

2509819.html"2022HYPERLINK

"https://www.newindianexpress.com/states/kerala/2022/Oct/19/daya-bai-ends-fast-after-

kerala-govt-assures-to-extend-healthcare-facilities-for-endosulfan-victims-2509819.html"

HYPERLINK

<https://swayamsiddhaa.com/post/%E0%A4%A6%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai>

"https://swayamsiddhaa.com/post/%E0%A4%A6%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai" HYPERLINK

%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai" HYPERLINK

"https://swayamsiddhaa.com/post/%E0%A4%A6%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai"0d

%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai"0d

%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai"0d

%AC%E0%A4%BE%E0%A4%88-famous-social-activist-dayabai"0d

